

१५८

एस. एस. वल्दिया,
उपसचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सोला मं

‘महानिदेशक,
सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

सुधना अनुभाग :

देहान्तर: दिनांक 23अप्रैल, 2007

दिव्ययः— पितीय वर्ष 2007–08 में अवचनबद्ध गदों में प्राविधानित धनराशि के अवटन के संबंध में।

महोदय

उपर्युक्त विषयक वित्त विभाग के पत्र संख्या- 255/XXVII(1)/2007 दिनांक 26.3.2007, शारानादेश संख्या- 77/XXII/2007-2 (3) 2007, दिनांक 4.4.2007 तथा सूचना निदेशालय के पत्र संख्या- 601/रु.एवं लो.सं.वि.(लेखा) /बजट आवंटन /2007-08, दिनांक 9.4.2007 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड के लिए वित्तीय वर्ष 2007-08 के अवधनरक्ष्य गदों में अनुदान संख्या-14 के लेखाशीर्षक- 2220-सूचना तथा प्रचार के आयोजनेतर पक्ष में रु. 31297 हजार (लप्पये तीन करोड़ बारह लाख सतानवे हजार मात्र) व्यय करने हेतु निम्न विकरणानुसार जापके निर्वतन पर रखे जाने, वी श्री राज्यपाल महोदय सहर्व रथीकति प्रदान करते हैं।

ઘનરાધી રૂ. હજાર મેં

	46— कंप्यूटर हार्डवेयर / सॉफ्टवेयर का ल्रय 47— कंप्यूटर अनुरक्षण / तत्संबंधी स्टेशनरी का ल्रय	—	17 7
	योग—	—	145
2220— सूचना तथा प्रचार 60— अन्य 103— प्रेस सूचना सेवायें 04— पत्रकार कल्पाण कोष की स्थापना	20— साहायक अनुदान / अंशदान / राजसहायता	—	150
	योग—	—	150
2220— सूचना तथा प्रचार 60— अन्य 103— प्रेस सूचना सेवायें 05— टेलीप्रिन्टर योजना	42— अन्य व्यय	—	733
	योग—	—	733
2220— सूचना तथा प्रचार 60— अन्य 106— क्षेत्र प्रचार 03— अधिष्ठान	05— रथानान्तरण यात्रा व्यय 08— कार्यालय व्यय 11— लेखन सामग्री एवं फार्म की छपाई 17— किराया उपशूल्क और कर व्याप्रित्य 45— अवकाश यात्रा व्यय	— — — — —	33 67 50 50 83
	योग—	—	283
2220— सूचना तथा प्रचार 60— अन्य 109— फोटो सेवायें 03— अधिष्ठान	08— कार्यालय व्यय 31— सामग्री और सम्पूर्ति	— —	17 267
	योग—	—	284
2220— सूचना तथा प्रचार 60— अन्य 110— प्रकाशन 03— अधिष्ठान	08— कार्यालय व्यय 18— प्रकाशन	— —	67 1000
	योग—	—	1067
2220— सूचना तथा प्रचार 60— अन्य 800— अन्य व्यय 03— स्वतंत्रता एवं गणतंत्र दिवस संबंधी (उत्तराखण्ड संघीयालय को छोड़कर) उत्सवों आदि पर व्यय	42— अन्य व्यय	—	600
	योग—	—	600
	कुल योग—	—	31297

2— उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिवन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि गितव्ययी मदों में आवेदित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि जो आवंटन किसी ऐसी व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है जिसे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका को नियमों द्वारा अन्य आदेशों के आधीन व्यय करने के पूर्व स्थान अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय संबंधित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिये।



3- उपकरणों आदि का क्य ढी जी, एस. एण्ड ढी. की दरों पर किया जायेगा और ये दरें न होने की स्थिति में टेंडर/कोटेशन विषयक नियमों का अनपालन किया जायेगा।

4-कम्प्यूटर हार्डवेयर का किये जाते समय सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के दिशा- निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायगा।

५-धनराशि उसी मद में व्यय किया जाये जिसके लिये स्वीकृत की जा रही हो। व्यय गे भित्तियत्ता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाये। स्वीकृत धनराशि के व्यय के विवरण शासन तथा महालेखाकार को नियमित रूप से भेजें।

6-इस संबंध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2007-08 के अनुदान संख्या-14 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2220- सूचना तथा प्रचार के आयोजनेरत पक्ष के अन्तर्गत उपरोक्त लेखाशीर्षकों/ मानक भद्रों के नामे डाला जायेगा ।

7-उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के अशा.प.सं. 437 / XXVII(5) / 2007 दिनांक 18 अप्रैल, 2007 में प्राप्त उनकी सहमति के आधार पर जारी किये जा रहे हैं।

भारतीय

(एस०एस०यल्डया)

उपराजिक

पुस्तकालय संख्या-106, XXII/2007-2(3)/2007 तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को समनार्थ एवं आदृश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

- 1- महालेखाकार, सेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- निजी सधिय, माठमुख्यमन्त्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
- 3- निजी सधिय, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 4- अपर सधिय, वित्त, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- मुख्य कोधाधिकारी, देहरादून।
- 6- वित्त अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन।
- 7- एन०आई०सी०, देहरादून सचिवालय।
- 8- गार्ड फार्मल।

आज्ञा में

Mr.
(एस०एस०प्रविद्या)

संस्कृत संग्रह